यीशु मसी पाणि माइं आन्दै

bangani

यीशु मसी पाणि माइं आन्दै

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

Local

Copyright © 2019, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani Language
Green level book (7)

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह पानी के ऊपर किस प्रकार चलते है, उसके बारे में बहुत ही कम शब्दो में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।

यीशुइ आपड़ै चेलै
नाउ दि बोशाळै

समुन्द्र दि बौरी

बागुर बौइ।

बागुरी कौइ नाउ चौलाइंदि ना रौइ थि लागी।

यीशु तिउँकाई

पाणि माइं

आन्डियौ डैऔ।

चेलै यीशु देखियौ डौरी मौरै।

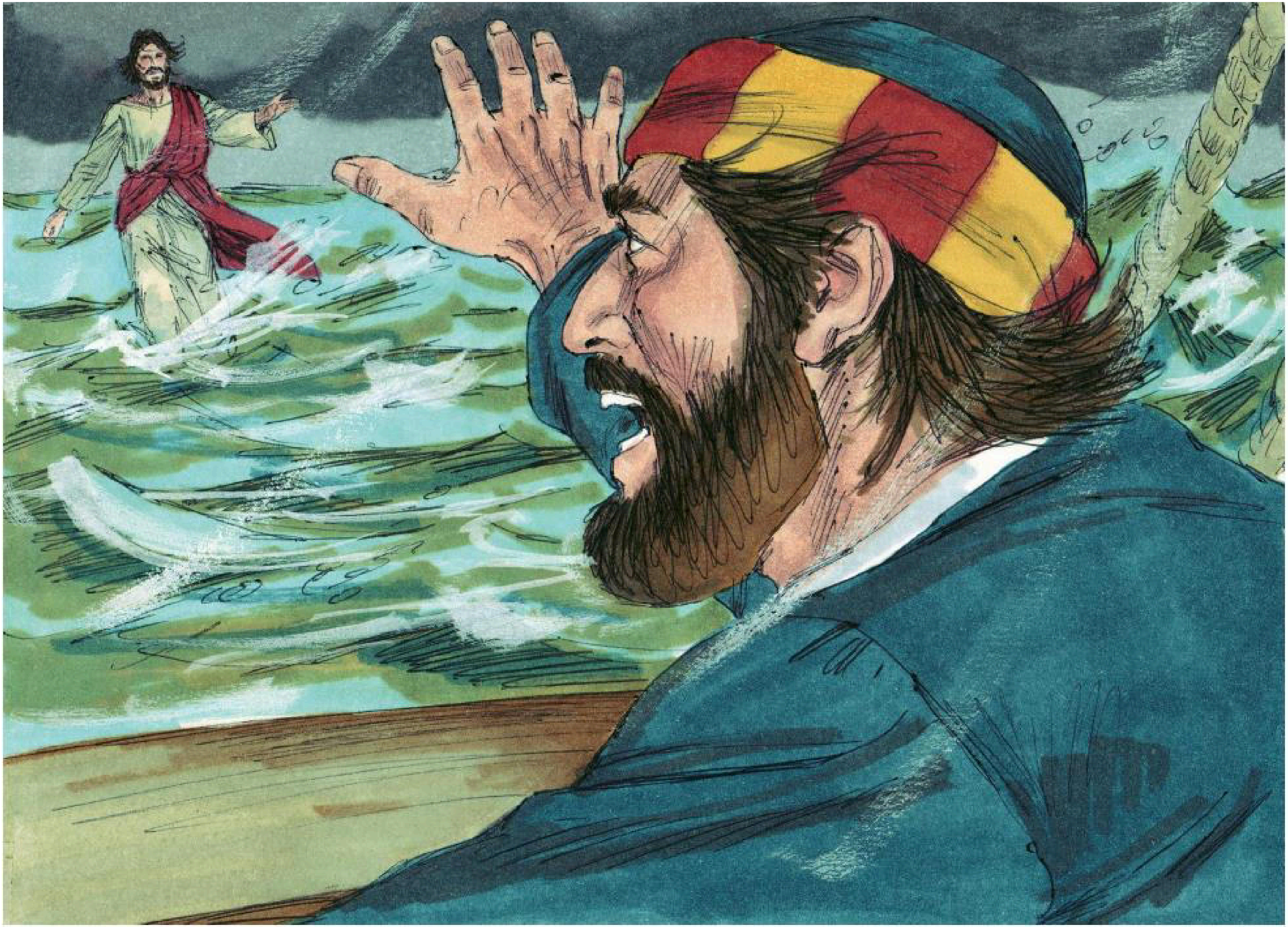

यीशुइ बोलौ डौरौ नौथि, आउँ।

यीशु चेलौउँ काई आऔ।

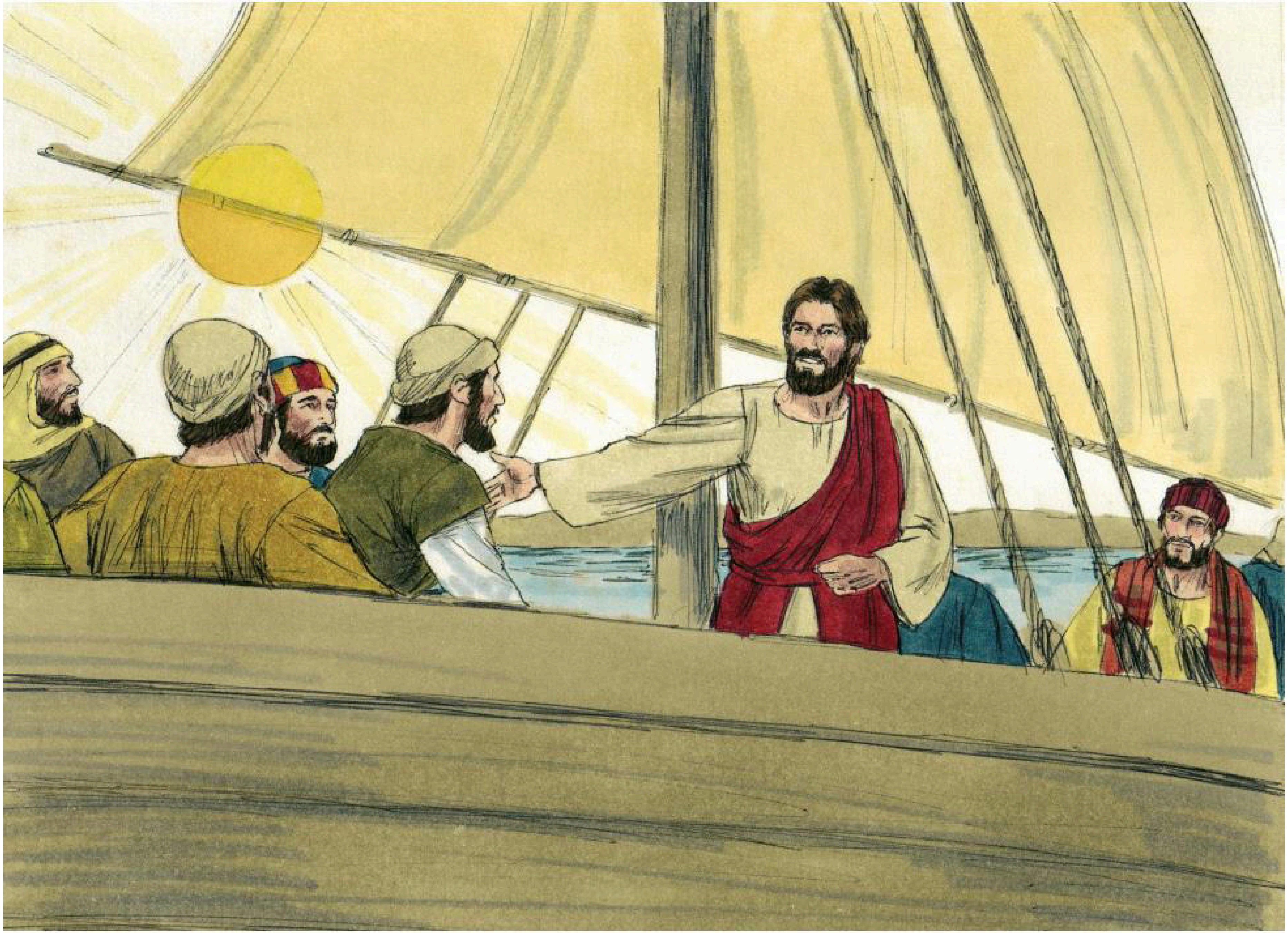

यीशु नाउ दि
बोशियौ तिउँरै
साथै डैऔ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one "reading.")

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with "reading" when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers "read" a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher "read" it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।
हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते है। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागो में शिक्षा देते है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सके। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सके।
हम जानते है कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगो के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है। उसे उन्ही की मातृभाषा में तैयार करते है। जिससे उन्हे पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।
हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नही चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगो के लिये तथा बच्चो के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्ही की मातृभाषा में उपलब्द कराते है। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें ओर हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।
,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,

This book was created with Bloom Enterprise features freely enabled in order to support projects funded by the local community.